नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 314
दि.18.03.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

ईरान युद्ध के बीच पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति को लगाया फोन, जानें क्या-क्या हुई बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बात की. उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति, यूएई पर हमलों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा पर चर्चा की.

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ फोन पर बातचीत की है. दोनों शीर्ष नेताओं के बीच पश्चिम एशिया के मौजूदा तनावपूर्ण हालात, यूएई पर हुए हालिया हमलों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा जैसे कई गंभीर मुद्दों पर विस्तार से बात हुई. प्रधानमंत्री मोदी ने खुद एक्स पर इसकी जानकारी शेयर की है.

पीएम मोदी ने लिखा, यूएई के राष्ट्रपति, मेरे भाई महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की और उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं. हमने पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की. यूएई पर हुए उन सभी हमलों की भारत की ओर से कड़ी निंदा को दोहराया, जिनके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की जान गई है और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है. हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से सुरक्षित और स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमत हुए. हम क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए एक साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे.

यूएई पर हमलों की निंदा

साफ है कि फोन कॉल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई पर हुए उन सभी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की, जिनके कारण निर्दोष नागरिकों की जान गई है और वहां के सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है. भारत ने वैश्विक मंचों पर हमेशा आतंकवाद और किसी भी संप्रभु राष्ट्र पर होने वाले अकारण हमलों का मुखर विरोध किया है. प्रधानमंत्री ने अपने इसी स्पष्ट रुख को दोहराते हुए यूएई के राष्ट्रपति को आश्वस्त किया कि क्षेत्रीय अस्थिरता और हिंसा के खिलाफ लड़ाई में भारत पूरी मजबूती के साथ संयुक्त अरब अमीरात के साथ खड़ा है. निर्दोष लोगों की जान जाना और आम नागरिकों के इस्तेमाल वाली जगहों को निशाना बनाना किसी भी लिहाज से स्वीकार्य नहीं है, और भारत इस तरह

के अमानवीय हिंसक कृत्यों की कड़ी भर्त्सना करता है.

पीएम मोदी के विरुद्ध विवादित टिप्पणी पड़ी महंगी, दिल्ली पुलिस ढूंढते हुए हिमाचल पहुंची

गगरेट (ऊना)। इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में अभद्र टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने गगरेट क्षेत्र में दबिश दी। आरोप है कि गगरेट क्षेत्र के अनिल डढवाल ने इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री से जुड़ा एक कार्टून साझा कर विवादित शब्द लिखे थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 25 फरवरी को एफआइआर नंबर 54/2026 के तहत धारा 336 (4), 353 (2) व 356 बीएनएस तहत मामला दर्ज किया था।

आरोपित बीडीसी सदस्य कांग्रेस समर्थित बताया जा रहा है। गत दिवस देर शाम दिल्ली पुलिस की एक टीम मामले की जांच के लिए गगरेट पहुंची। दिल्ली पुलिस ने पहले गगरेट थाना को सूचित किया, जिसके बाद दोनों पुलिस टीमें आरोपित की तलाश में गांव दियोली पहुंची।

पुलिस ने घर में दी दबिश

पुलिस ने आरोपित के घर पर दबिश दी, लेकिन वह घर पर नहीं मिला। उसके स्वजन से पूछताछ की गई। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम बिना गिरफ्तारी के लौट गई।

पुलिस ने पूर्व बीडीसी सदस्य को नोटिस जारी किया

पुलिस ने आरोपित पूर्व बीडीसी सदस्य अनिल के नाम नोटिस जारी कर उसे दिल्ली के द्वारका सेक्टर-16सी स्थित पुलिस स्टेशन में पेश होने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपित के बयान दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे) के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे) के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच महाराष्ट्र की राजनीति सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में शिंदे ने प्रधानमंत्री मोदी को विश्वास दिलाया कि शिवसेना हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री शिंदे के साथ पार्टी सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, नरेश म्हस्के, मिलिंद देवरा, धैर्यशील माने, श्रीरंग बारणे और रवींद्र वायकर भी मौजूद थे। इस दौरान एकनाथ शिंदे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध पर अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सभी को एकजुट होकर प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति करने के लिए कई मौके मिलते हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी को एक साथ खड़ा रहना चाहिए। शिंदे ने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल राजनीति करने में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के समय भी विपक्ष की इसी तरह की भूमिका थी, जिसकी वजह से पाकिस्तान में विपक्षी नेताओं की सुर्खियां बनी थीं।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने दिल्ली दौरे के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद थे। इस दौरान रिजिजू ने लोकसभा में सांसद श्रीकांत शिंदे के कामकाज की तारीफ की। दरअसल संसद के अधिवेशन के दौरान श्री शिंदे हर बार दिल्ली आते हैं और अपने सांसदों से मुलाकात करते हैं।

राष्ट्रपति ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के पांच बिलियन भोजन वितरण के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

हमारे बच्चों को पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होना अत्यंत आवश्यक है: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (17 मार्च, 2026) राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अक्षय पात्र फाउंडेशन के पांच बिलियन भोजन वितरण के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि शैक्षिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पांच बिलियन भोजन परोसना अक्षय पात्र फाउंडेशन की उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस कार्यक्रम की थीम, 'सुपोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत की ओर', वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के हमारे राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में सुपोषित और शिक्षित समाज के महत्व को रेखांकित करती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चों के लिए एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार का उत्तरदायित्व नहीं है, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। जब शिक्षक, माता-पिता, सामाजिक संगठन, कॉर्पोरेट जगत और समाज के सभी वर्ग मिलकर काम करते हैं, तभी हम आने वाली पीढ़ी के लिए एक मजबूत नींव रख सकते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, अच्छा स्वास्थ्य और स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिले। ये मूलभूत तत्व बच्चों के सर्वांगीण विकास को संभव बनाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा वह साधन है जो किसी व्यक्ति के जीवन में उपलब्ध अवसरों को निर्धारित करती है

और उसकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। यह परिवर्तन और सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम है। सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण की प्रक्रिया बच्चों के स्कूल जाना आरम्भ करने के क्षण से ही आकार लेना शुरू कर देती है। स्कूल बच्चों को दैनिक जीवन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने और जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है। उन्होंने अक्षय पात्र फाउंडेशन की सराहना की, जो पिछले 25 वर्षों से स्कूलों में मध्याह्न भोजन पहुंचाकर बच्चों में कुपोषण की समस्या का समाधान करने और उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चे, जो राष्ट्र का भविष्य हैं, उनके लिए पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुगम उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। भारत सरकार ने गर्भवती माताओं और बच्चों को पर्याप्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण पहल की हैं।

एमएससीबी केस : 25,000 करोड़ केस में अजित पवार-सुनेत्रा पवार समेत सभी को क्लीन चिट, कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट मानी

(जीएनएस)। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (MSCB) से जुड़े कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले में बड़ा फैसला सामने आया है। मुंबई की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (EOW) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। साथ ही, इस मामले को बंद कर दिया है। इस फैसले के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री रहे दिवंगत अजित पवार सहित सुनेत्रा पवार और रोहित पवार को बड़ी राहत मिल गई है।

विशेष न्यायाधीश महेश के. जाधव ने अपने विस्तृत आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि मामले में प्रस्तुत दस्तावेजों, गवाहों के बयानों और आधिकारिक रिपोर्टों से किसी भी तरह के आपराधिक षड्यंत्र या धोखाधड़ी के प्रमाण नहीं मिलते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि बैंक के दिए ऋण और उनकी प्रक्रिया में कुछ अनियमितताएं हो सकती हैं, लेकिन इन्हें आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता।

- यह मामला MSCB के तहत आने वाले 31 जिला सहकारी बैंकों से जुड़ा था, जिन्होंने कई चीनी मिलों को ऋण दिए थे।

- बाद में इन मिलों के डिफॉल्ट होने और उनकी नीलामी में कथित रूप से बैंक अधिकारियों के परिजनों को लाभ पहुंचाने के आरोप लगे थे।

- हालांकि, अदालत ने पाया कि इन प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की आपराधिक मंशा साबित नहीं होती।

रोहित पवार की कंपनी बारामती एग्रो को भी राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि 2012 में कन्नड़ सहकारी चीनी मिल की नीलामी पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई थी। साथ ही, यह भी माना गया कि खरीदार कंपनी की वित्तीय स्थिति स्वस्थ थी और उसने भुगतान की क्षमता दिखाई थी। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे समेत करीब 50 लोगों द्वारा दायर विरोध याचिकाओं को भी अदालत ने खारिज कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्य किसी संज्ञेय अपराध को साबित नहीं करते, इसलिए 'सी समरी' (क्लोजर रिपोर्ट) को स्वीकार करना उचित है।

कोर्ट ने स्वीकार की क्लोजर रिपोर्ट

न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया कि 'मित्रा पैकेज' जैसे सरकारी राहत उपायों का उस समय चीनी उद्योग पर बड़ा प्रभाव था, जिसके चलते कई वित्तीय निर्णय लिए गए थे। अदालत ने कहा कि नाबार्ड (ठअइअफ्ळ) के कुछ दिशा-निर्देशों का पालन न होना अपने आप में आपराधिक अपराध नहीं बनता। फैसले में यह भी बताया गया कि बैंक की वसूली प्रक्रिया जारी है।

पूरे देश में सड़कों पर नमाज पढ़ेंगे, कौन है हैदराबाद के सैय्यद अयूब, जिसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुली चुनौती दी

हैदराबाद के मुस्लिम स्कॉलर सैय्यद अयूब ने सीएम योगी आदित्यनाथ को खुली चुनौती दी है। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि ईद पर संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज अदा की जाएगी। उन्होंने योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी भी की।

(जीएनएस)।

हैदराबादः हैदराबाद के मुस्लिम स्कॉलर सैय्यद अयूब ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक वीडियो के माध्यम से खुली चुनौती दी है। उन्होंने वीडियो में कहा कि ईद पर संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज अदा की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी की हिम्मत है तो मुसलमानों को रोक कर दिखाए। उन्होंने सीएम योगी के खिलाफ अभद्र शब्दों का भी इस्तेमाल किया। बता दें कि सैय्यद अयूब खुद को एनजीओ 'हैदराबाद यूथ करेज' का आयोजक बताते हैं और उनके इंस्टाग्राम पर करीब 20 लाख फॉलोअर्स हैं। उसने 15 मार्च को अपने अकाउंट से यह वीडियो पोस्ट किया था।

'संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज'

सैय्यद अयूब ने अपने वीडियो में कहा कि न केवल संभल में, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर नमाज पढ़ी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर ईद की जमातें बड़ी होती हैं, तो मुसलमान बाहर निकलकर सड़कों पर नमाज पढ़ेंगे। उन्होंने पुलिस के उन अधिकारियों को भी चुनौती दी, जिन्होंने सार्वजनिक सड़कों पर नमाज पढ़ने के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने वीडियो में कहा कि अगर किसी को लगता है कि वे मुसलमानों को सड़क पर नमाज पढ़ने से रोक सकते हैं, तो वे कोशिश करके देख लें। उन्होंने आगे कहा कि मुसलमान केस या जेल की धमकियों से डरने वाला नहीं है।

सैयद अयूब ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणी की और योगी सरकार की आलोचना करते हुए उन पर मुसलमानों पर बेवजह पाबंदियां लगाने का आरोप लगाया। सैयद अयूब की यह टिप्पणी अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

जानिए क्या है पूरा मामला

मुस्लिम स्कॉलर सैय्यद अयूब का यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब संभल प्रशासन ने ईद और जुमे की नमाज को लेकर पहले ही सख्त चेतावनी जारी की है।

संभल के पुलिस अधिकारी कुलदीप कुमार ने 12 मार्च को एक शांति समिति की बैठक बुलाई थी, जिसमें यह साफ किया था कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज की अनुमति नहीं होगी।

'सड़कों पर नमाज पढ़ने वालों पर कार्रवाई'

पुलिस अधिकारी ने कहा था कि जो लोग मस्जिदों के बाहर सार्वजनिक सड़कों पर नमाज पढ़ते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उ.प्र. एटीएस का बड़ा एक्शन, सहारनपुर से बीडीएस का छात्र हारिस अली गिरफ्तार, आईएसआईएस कनेक्शन और खौफनाक प्लानिंग का खुलासा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश एटीएस (ATS) ने आतंकी संगठन कक्कर के बढ़ते जाल पर प्रहार करते हुए एक 19 साल के मेडिकल छात्र को गिरफ्तार किया है। ताज्जुब की बात यह है कि जो हाथ लोगों का इलाज करने के लिए तैयार हो रहे थे, वे गुपचुप तरीके से देश विरोधी साजिशों और कट्टरपंथी विचारधारा को फैलाने में मशगूल थे।

एटीएस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि डिजिटल दुनिया के अंधेरे कोनों में युवाओं को बरगलाने का खेल किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला?

दरअसल, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का रहने वाला 19 वर्षीय हारिश अली मुरादाबाद में बीडीएस (BDS) सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। लेकिन उसकी असल दुनिया किताबों तक सीमित नहीं थी। एटीएस के मुताबिक, हारिश इंस्टाग्राम, डिस्कॉर्ड और सेशन जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए सीधे आईएसआईएस (ISIS) के हैंडलर्स के संपर्क में था।

'अल इत्तेहाद मीडिया' के नाम से चला रहा था नेटवर्क

जांच में सामने आया है कि हारिश सिर्फ एक सदस्य नहीं था, बल्कि वह 'अल इत्तेहाद मीडिया फाउंडेशन' नाम से एक अलग ग्रुप भी चला रहा था। वह फर्जी आईडी और वीपीएन (VPN) का इस्तेमाल कर युवाओं को कट्टरपंथी साहित्य परोसता था। उसका मकसद भारत में शरिया आधारित खिलाफत प्रणाली स्थापित करने के लिए युवाओं को जोड़ना और आतंकी संगठन को मजबूत करना था।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, 'खुफिया जानकारी मिलने के बाद लखनऊ के एटीएस थाने में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। रविवार को मुरादाबाद से हुई इस गिरफ्तारी के बाद अब एटीएस हारिश के उन डिजिटल निशानों को खंगाल रही है, जिनसे यह पता चल सके कि उसके नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं।

आईजी स्तर के आईपीएस अधिकारी अरुण मोहन और नीरू गर्ग, जिनके केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर छिड़ा विवाद

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में आईजी स्तर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरुण मोहन और नीरू गर्ग के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर डीआईजी पद पर भेजने का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस मामले में हाईकोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाया हुआ है।

हाईकोर्ट ने यह स्पष्ट करने के लिए कहा है कि इन अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की मांग केंद्र सरकार ने की थी या राज्य सरकार ने स्वयं यह पहल की। अदालत ने राज्य और केंद्र सरकार से शपथपत्र देने के लिए कहा है। मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को होगी।

उत्तराखंड के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को बगैर उनके आवेदन के और अनिच्छा जाहिर किए जाने के बावजूद वर्तमान से नीचे के पद पर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। आईजी स्तर की अधिकारी नीरू गर्ग को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में डीआईजी पद पर जबकि आईजी अरुण मोहन जोशी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में डीआईजी के पद पर तैनात किया गया था।

अधिकारियों ने कहा था कि उन्होंने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आवेदन नहीं किया था। वे आईजी के पद पर हैं और उन्हें जबरन नीचे के डीआईजी पद पर भेजा जा रहा है। राज्य सरकार ने ही पहल करते हुए 16 फरवरी 2026 को इनके नाम गृह मंत्रालय को भेज दिए और केंद्र ने प्रतिनियुक्ति पर उनकी तैनाती तय कर दी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से आइपीएस अरुण मोहन जोशी, नीरू गर्ग व मुख्तार मोहसिन की केंद्र में प्रतिनियुक्ति के आदेश जारी किए थे। आइपीएस नीरु 2005 बैच की है और तीन अक्टूबर 2022 को आइजी बनी थी। चार फरवरी को उनकी ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट में डीआइजी पद पर प्रतिनियुक्ति के आदेश हुए थे। चार जनवरी को ही पहले राज्य सरकार की ओर से अरुण मोहन जोशी को डेपुटेशन पर भेजने का आदेश जारी किया गया, फिर उसी दिन आदेश वापस ले लिया गया।

अरुण को डीआइजी बीएसएफ बनाया गया था। तीन फरवरी को उन्हें अगले पांच साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की सूची से बाहर कर दिया। अधिकारियों का कहना था कि जब उनका नाम केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से बाहर कर दिया था फिर उनका डिमोशन क्यों कर दिया गया। जबकि 2006 बैच के अरुण भी अक्टूबर 2022 में ही आइजी बने थे। अब दोनों अधिकारी कोर्ट की शरण में है।

आईपीएस अफसर अरुण मोहन जोशी उत्तराखंड नहीं बल्कि देश के सबसे युवा आईजी हैं। वह 40 साल की उम्र में आईजी बने हैं। जो कि एक रिकॉर्ड है। 2006 बैच के क्कर अफसर अरुण मोहन जोशी उत्तराखंड के चकराता के रहने वाले हैं। वह साल 2006 में सबसे कम उम्र (23 वर्ष) में आईपीएस अफसर बने थे। अरुण मोहन जोशी ने आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की है।

पीडीए आंदोलन के माध्यम से मान्यवर कांशीराम के सपनों को साकार करेंगे अखिलेश यादव - मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर। 15 मार्च को जौनपुर शहर के कटघरा स्थित पीडीए भवन में बहुजन नायक, सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन आंदोलन के प्रणेता मान्यवर कांशीराम जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं और आम जनता ने भाग लेकर कांशीराम जी के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, मान्यवर कांशीराम विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने अपने संबोधन में कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने बहुजन समाज को राजनीतिक चेतना देने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने शोषित, वंचित और पिछड़े समाज को संगठित कर सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि उन्हें कांशीराम जी के साथ लंबे समय तक काम करने और उनसे सीखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि 'कांशीराम जी केवल एक नेता नहीं थे, बल्कि वे एक विचारधारा, एक आंदोलन और सामाजिक परिवर्तन के महान मार्गदर्शक थे। उनसे हमें संघर्ष, संगठन और समाज के लिए समर्पण की प्रेरणा मिली। वे मेरे राजनीतिक गुरु रहे हैं।'

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के महत्वपूर्ण अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वर्ष 1988 में बहुजन समाज पार्टी से शाहगंज नगर पालिका चेयरमैन पद का चुनाव उन्होंने लड़ा। वर्ष 1991 में मान्यवर कांशीराम जी ने उन्हें जौनपुर सदर से लोकसभा का चुनाव लड़ाया, जिसमें उन्हें लगभग 69 हजार वोट प्राप्त हुए। इसके बाद 1993 में समाजवादी पार्टी और बसपा के ऐतिहासिक गठबंधन में बसपा के टिकट पर उन्होंने जौनपुर सदर से चुनाव लड़ा और भारी बहुमत से जीत दर्ज कर इतिहास बनाया।

उन्होंने आगे बताया कि जनवरी 1994 में कांशीराम जी ने उन्हें बहुजन समाज पार्टी का राष्ट्रीय सचिव और महाराष्ट्र का प्रभारी नियुक्त किया, जो उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय था।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज के दौर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में चल रहा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन दरअसल कांशीराम जी के सामाजिक न्याय और बहुजन सशक्तिकरण के सपनों को आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम है। यह आंदोलन देश के वंचित और शोषित वर्गों को एकजुट कर उनके अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि 'कांशीराम जैसे महान व्यक्तित्व सदियों में पैदा होते हैं। उन्होंने जिस सामाजिक परिवर्तन का सपना देखा था, उसे साकार करना हम सबकी ऐतिहासिक जिम्मेदारी है।'

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए आंदोलन को मजबूत करते हुए कांशीराम जी के सपनों का समाज और कांशीराम जी के सपनों का भारत बनाने के लिए संघर्ष जारी रखा जाएगा।

अंत में मान्यवर कांशीराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।

जारीकर्ताः कार्यक्रम का संचालन संदीप मौर्य प्रदेश सचिव समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश ने किया।

हिन्दू नववर्ष मेला आज : नवसंवत्सर 2083 के स्वागत की तैयारियां हुई पूर्ण

मथुरा (जीएनएस)। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में नव संवतसर की पूर्व संध्या पर विशाल नववर्ष मेला आज (बुधवार) को दोपहर 1 बजे से सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज मैदान पर भूमि पूजन और हवन के साथ प्रारंभ होगा। नववर्ष समारोह के लिए मेला स्थल को सजाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। समिति द्वारा नवसंवत्सर 2083 के स्वागत की तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। सांस्कृतिक संध्या में सांय 6:30 बजे आयोजित नववर्ष समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी आगरा रेंज शैलेश पांडेय होंगे। मेले का मुख्य आकर्षण अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, चित्रकार, गायक, प्रखर वक्ता एवं राष्ट्रप्रेमी कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की अद्भुत मंचीय प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम" होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि मेला स्थल पर सांय 4:30 बजे से रंगोली, रूप सज्जा, सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता होंगी। मेला रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नववर्ष मेला समिति की स्मारिका "नव-प्रवाह" का विमोचन भी किया जाएगा। बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार मंच पर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज जूनियर और सीनियर वर्ग में कृष्णचन्द्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सामान्य ज्ञान और निबंध प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिसमें सैंकड़ों बच्चों ने भाग लिया। नववर्ष मेला समिति ने ब्रजवासियों से नववर्ष समारोह में सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है। बताया कि मेले में सभी का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

जीएलए के छात्र रौनक उपमन्यु ने दिल्ली आईआईटी में लगातार पांचवी बार दर्ज की जीत

जीएलए विश्वविद्यालय विधि संस्थान के छात्र रौनक उपमन्यु ने 528 डिबेट में लिया भाग

मथुरा (जीएनएस)। जीएलए विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अंतिम वर्ष के प्रतिभाशाली छात्र रौनक उपमन्यु ने राष्ट्रीय स्तर पर जीएलए की श्रेष्ठ विधि शिक्षा, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गुणवत्ता की ऐसी छाप छोड़ी है, जो एक मिसाल बन गई है। छात्र रौनक ने अभी तक देशभर के प्रतिष्ठित आईआईटी दिल्ली में 5-वीं बार लगातार एमयूएन जीत कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। विदित रहे कि इसी सप्ताह रौनक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भी युवा संसद को जीतकर ब्रज का नाम रोशन किया है तथा आईआईएम और शीर्ष विश्वविद्यालयों में आयोजित 528 बहस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। इनमें वह 218 प्रमुख डिबेट प्रतियोगिताओं में जज भी रहे तथा 15 प्रतियोगिताओं को खुद रौनक उपमन्यु ने ऑर्गेनाइजेशन किया और सैकड़ो प्रतियोगिताओं में बहस करते हुए 267 बार प्रथम स्थान हांसिल कर वह देश के पहले ऐसे छात्र-डिबेटर बन गए हैं, जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि न केवल जीएलए विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण ब्रज क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। रौनक ने 295 प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 267 में प्रथम पुरस्कार जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि कठिन परिश्रम, तर्कशक्ति और वक्तृत्व कौशल का समन्वय सफलता का वास्तविक आधार है। रौनक उपमन्यु ने देश की कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में आयोजित एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने शील्ड प्रदान करके सम्मानित किया। इसके अलावा इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ, आईआईटी दिल्ली तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में भी वह प्रथम स्थान पर रहे, जहां उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला और सांसद राजीव शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया। इस वर्ष रौनक ने दिल्ली आईआईटी संस्थान, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, दौलत राम कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), पंजाब विश्वविद्यालय में एबीवीपी के अध्यक्ष गौरव वीर सोहल ने श्री उपमन्यु को विजेता विश्वविद्यालय में नियमित मूट कोर्ट, शोध-आधारित विधि अध्ययन, व्यावहारिक प्रैक्टिस सत्र तथा अनुभवी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन ने रौनक जैसे छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर चमकने की मजबूत नींव दी है। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि रौनक उपमन्यु ने अपने कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और अद्भुत वक्तृत्व कौशल से न केवल जीएलए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि ब्रजभूमि को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जीएलए की उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा और समर्पित संकाय विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करता है तथा रौनक की उपलब्धि इसका सशक्त प्रमाण है।

जीएलए विश्वविद्यालय विधि संकाय के छात्र रौनक उपमन्यु को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता। साथ हैं डीन प्रो. सोमेश धमीजा।

वहीं विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने कहा कि छात्र रौनक की सफलता विधि शिक्षा, युवा संसद और डिबेटिंग परंपरा के लिए एक स्वर्णिम अध्याय है।

उन्होंने कहा कि जीएलए का अनुसंधान-आधारित शिक्षण, केस-स्टडी मॉडल, कानूनी विश्लेषण क्षमता और प्रायोगिक प्रशिक्षण छात्रों के राष्ट्रीय मंचों पर आगे बढ़ने में अत्यंत सहायक है। कहा कि रौनक का यह रिकॉर्ड पूरे छात्र समुदाय के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। बता दें कि रौनक उपमन्यु, एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के सुपुत्र हैं।

आज निकलेगी मां वैष्णो देवी की भव्य शोभायात्रा : 10 दिवसीय मेले का आज होगा शुभारंभ

मथुरा (जीएनएस)। महानगर में एटीवी कंपनी के पीछे नरहौली स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 44-वां 10 दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले के मुख्य आयोजन में 18 मार्च को 251 कलशों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसी के साथ प्रतिदिन संध्या काल में आरती के पश्चात भक्तजनों द्वारा लंगूरिया एवं माता के भजनों का आयोजन होगा। कलश यात्रा से अगले दिन 19 मार्च से 27 मार्च तक नवचंडी महायज्ञ एवं रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसका संचालन आचार्य दयानंद जी भारद्वाज करेंगे तथा 20 मार्च से 26 मार्च तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा, जिसके प्रवचन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6:30 बजे तक होंगे। कथा के प्रवक्ता आचार्य खेमचंद्र जी भारद्वाज (अडूकी वाले) होंगे। इसीक्रम में 26 मार्च की रात्रि में रात 9 बजे से भगवती मां वैष्णो देवी का विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा, जिसका आयोजन माता वैष्णो देवी भक्ति मंडल, प्रदीप गौतम द्वारा किया जाएगा और 27 मार्च की सुबह 11:30 बजे नवचंडी महायज्ञ की पूणार्हुति होगी। इसके पश्चात कन्या एवं साधु प्रसादी के साथ दोपहर 12:30 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जो शाम 6 बजे तक चलेगा तथा 27 मार्च को संध्या आरती के उपरांत रात 8:30 बजे से भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा। इसी के साथ 10 दिवसीय मेले का समापन हो जाएगा। इस समस्त महोत्सव की जानकारी मंदिर सेवायत विकास गौतम द्वारा दी गई है। वहीं मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष बीएल गौतम ने भक्तों से मेले में आकर अपने जीवन को सफल बनाने की अपील की है तथा कलश शोभायात्रा में माता-बहनों से कीमती सामान (जेवरात) की स्वयं रखवाली करने की भी अपील की है।

सब्जी मंडी में शॉर्ट सर्किट से लगी ट्रांसफॉर्मर में भीषण आग : आग में सब्जी समेत अन्य सामान जलकर हुआ खाक

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी में अस्थाई प्लेटफार्म के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कुछ ही समय में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान आग ने आधा दर्जन से अधिक फर्म, आढ़तों पर बड़ी संख्या में बोरो में रखी सब्जी को अपनी चपेट में लिया। यह हादसा मंगलवार शाम करीब 4 बजे हुआ। विकराल आग में किसानो की वह सब्जी स्वाहा हो गई जो मंगलवार सुबह आढ़तियों को बेचकर गए थे। सब्जी मंडी में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत करके आग पर काबू पाया। दूसरी ओर सूचना मिलने पर हाईवे पुलिस, मंडी चौकी प्रभारी चन्द्रवीर सिंह और मंडी सचिव भी तुरंत मौके पर पहुंच गए। भीषण आग लगने से आढ़तों पर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। इस बीच यह गनीमत रही कि आग की चपेट में आने से सभी लोग बच गए। मौके पर पहुंची मंडी समिति की सचिव रेनू वर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आग लगने का कारण ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट लग रहा है। कहा कि हाईवे पुलिस और मंडी प्रशासन द्वारा हादसे की जांच की जा रही है।

आत्महत्या करने जा रही महिला से गैंगरेप करने वाले बदमाशों से हुई मुठभेड़ : पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश हुआ लंगड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना मांट क्षेत्र में सामूहिक बलात्कार करने वाले करने वाले फरार बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में दबोच लिया। मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से एक शातिर लंगड़ा हो गया। बताते चलें कि थाना मांट क्षेत्र में विदित 14 मार्च को एक महिला घरेलू क्लेश के बाद गुस्से में यमुना में कूदकर आत्महत्या करने जा रही थी। उसी दौरान यमुना पोंटून पुल के पास दो लोगों ने उसे पकड़ने के बाद जबरन उसके साथ गैंगरेप किया था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। उसी समय से पुलिस टीम, फरार बदमाशों को पकड़ने के लिए दबिशें दे रही थी। इसी बीच थाना प्रभारी मांट जसवीर सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि पीड़ित महिला के साथ जबरन गैंगरेप करके फरार चल रहे बदमाश, अर्रुआ खादर राधारानी अंडरपास से डांगौली की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर सुशील हाथरस वालों के प्लॉट में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मांट जसवीर सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम को देखते ही शातिर बदमाश राजकुमार पुत्र नंदकिशोर निवासी गांव बेगमपुर थाना मांट ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो शातिर बदमाश राजकुमार के पैर में गोली लग गई। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए बदमाश को देखकर भागने का प्रयास कर रहे दुर्गेश पुत्र रुप किशोर निवासी गांव बेगमपुर थाना मांट को घेराबंदी करके पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से 1 तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

ग्राम शिवपुरी में विकास कार्यों की खुली पोल, गंदे पानी से लबालब मुख्य मार्ग

खखरेरू/फतेहपुर विजयीपुर विकासखंड के ग्राम सभा शिवपुरी में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। गांव की मुख्य गलियां गंदे पानी से पट चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन दूभर हो गया है।

गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। मुख्य मार्ग पर बनी आरसीसी नालियां सफाई के अभाव में लगभग खत्म हो चुकी हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रोजाना इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है, जो इसी रास्ते से गुजरते समय फिसलकर चोटिल हो जाते हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्राम प्रधान का कार्यकाल पूरा होने को है, लेकिन जलभराव जैसी मूलभूत समस्या का समाधान अब तक नहीं हो सका है। मार्च महीने में ही जब यह हाल है, तो बारिश के दौरान स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विजयीपुर से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि जांच करके आवश्यक कार्रवाईकिया जाएगा

जनगणना 2027 हेतु फील्ड ट्रेनर्स का द्वितीय दिवस प्रशिक्षण सम्पन्न।

ब्यूरो रिपोर्ट-- स्नेहा जायसवाल

सोनभद्र । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के महामना मदन मोहन मालवीय सभागार में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" कार्य हेतु चयनित फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रतिभागियों को डिजिटल जनगणना के तकनीकी पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, इस अवसर पर जनपद के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निजामुद्दीन अंसारी, प्रियासा सिंह, मास्टर ट्रेनर डॉ. के.एन. उपाध्याय एवं सौरभ सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने एचएलओ मोबाइल ऐप की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया, ऐप को प्रारंभ करने की विधि तथा चरणबद्ध तरीके से उसके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र में "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" से संबंधित कुल 34 प्रश्नों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को प्रत्येक प्रश्न की बारीकियों को समझाते हुए सही एवं सटीक जानकारी संकलन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से जनगणना कार्य को सुगम, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी दक्षता प्रदान की गयी साथ ही, प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें व्यावहारिक रूप से भी प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ट्रंप ने अब अमेरिकी थल सेना को भी ईरान में उतारने का प्रयास कर रहे

ईरान-अमेरिका व इजरायल का युद्ध 28 फरवरी को ईरान पर हमले से शुरू हुआ था। अमेरिका-इजरायल को उम्मीद थी कि यह युद्ध चंद दिन चलेगा और ईरान अपने घुटनों पर आ जाएगा। उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि ईरान इतना जवाबी हमला करेगा और यह युद्ध इतना लम्बा खिंचेगा। ईरान अमेरिका-इजरायल को मुंह तोड़ जवाब दे रहा है। ईरान के नए सुप्रीम अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले संदेश में ही स्पष्ट कर दिया कि ईरान झुकने वाला नहीं है। खामेनेई का पहला संदेश ईरानी टीवी पर प्रसारित करते हुए एंकर ने पढ़कर सुनाया। खामेनेई ने संदेश में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकाबंदी जारी रखने और मिनाब स्कूल के बच्चों सहित शहीद हुए लोगों के खून का बदला लेने पर जोर दिया। अमेरिका और इजरायल के ईरान के साथ चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए खामेनेई ने लगातार हमले जारी रखने का आ'ान करते हुए आगे कहा कि अन्य मोर्चों को खोलने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने यमन में ईरान के सहयोगियों, लेबनान में हिजबुल्लाह और इराक में रेजिस्टेंस की तारीफ की है। खामेनेई का यह संदेश उनके स्वास्थ्य और शारीरिक स्थिति को लेकर चल रही अटकलों के बीच आया है। उधर अमेरिका ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई और उनसे जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारियों के बारे में जानकारी देने पर बड़ा इनाम घोषित किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के रिकार्ड्स फॉर जस्टिस के तहत इन लोगों के बारे में ठोस जानकारी देने वालों को अधिकतम एक करोड़ डॉलर तक का ईनाम दिया जा सकता है। यह कदम ईरान की सैन्य और सुरक्षा संरचना से जुड़े नेटवर्क पर दबाव बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के नेताओं को मारना सम्मान की बात है। उन्होंने शुक्रवार को कहा, हम ईरान के आतंकवादी शासन को सैन्य, आर्थिक और अन्य रूप से पूरी तरह नष्ट कर रहे हैं। वे 47 वर्षों से निर्दोषों को मार रहे हैं और अब मैं उन्हें मार रहा हूं। ऐसा करना सम्मान की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने उधर दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग आइलैंड पर बड़े हमले किए और सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया। ट्रंप ने दावा किया कि यह अमेरिका- इजरायल का ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के इस रणनीतिक द्वीप पर बड़े हवाई हमले में सैन्य ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अब बुरी तरह कमजोर हो चुका है और समझौता चाहता है, लेकिन ऐसा समझौता नहीं होगा जिसे वह स्वीकार करे। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रोकने की कोशिश हुई तो अमेरिका तेल ढांचे पर हमला करने का फैसला भी बदल सकता है। अफवाहें तो यह भी है कि ट्रंप अब अमेरिकी थल सेना को भी ईरान में उतारने का प्रयास कर रहे हैं। बता दें कि खार्ग आइलैंड से ईंधन का बहुत बड़ा हिस्सा दूसरे देशों पर भेजा जाता है।

अमेरिका अपनी मरीन कार्प के जरिए खार्ग आइलैंड पर जबरन कब्जा करने की योजना बना रहा है। खबर तो यह भी है कि इसकी पूर्ति के लिए अमेरिका ने 2500 मरीन ईरान की तरफ रवाना भी कर दिए हैं। उधर ईरान ने भी अपने हमले तेज कर दिए हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं और इजरायल ने भी जवरदस्त जवाबी कार्रवाई की है। इजरायली विमानों ने लेबनान में भारी तबाही मचाई है। इस बढ़ती जंग से वैश्विक तेल बाजार को भी लेकर चिंता बढ़ गई है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि भले तेल सुविधाओं को सीधा निशाना नहीं बनाया

मुख्यमंत्री योगी से भी समझदार निकले सीएम फडणवीस लव जिहाद पर ऐसा कानून लाए कि...

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस धर्म स्वतंत्रता बिल को लेकर चर्चा में हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सीएम योगी से भी ज्यादा समझदार हैं सीएम फडणवीस?

महाराष्ट्र सरकार हाल ही में राज्य में धर्म स्वतंत्रता बिल लेकर आई है. इस बिल में जबरन धर्मांतरण कराकर शादी करने पर 7 साल की जेल का प्रावधान है. इस बिल को लेकर अब विरोध शुरू हो गया है. ऐसे में अब इस बिल पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या सीएम योगी से भी ज्यादा कट्टर निकले सीएम फडणवीस?

धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर नया कानून लाने वाले राज्यों में एक नया राज्य महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार ने जो नया कानून प्रस्तावित किया है वो कानून उत्तर प्रदेश में बनाए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ या उत्तराखंड में बनाए पुष्कर सिंह धामी या फिर गुजरात के कानून में भी ज्यादा सख्त है.

इसमें ऐसे प्रावधान किए गए हैं कि अब जबरन धर्मांतरण करवाने वालों और लव जिहाद करने वालों की खैर नहीं है. इस बिल में महिलाओं-बच्चों को असीमित अधिकार दिए गए हैं और आरोपियों को कम से कम 10 साल की सजा का प्रावधान है.

महाराष्ट्र सरकार ने पेश किया बिल

महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में पेश कानून बेहद सख्त हैं. महाराष्ट्र के डीजीपी के नेतृत्व में सात लोगों की एक कमिटी ने मिलकर जो कानून प्रस्तावित किया है उसमें- अवैध धर्मांतरण में लालच, जबरदस्ती, धोखाधड़ी, बल प्रयोग, गलत बयानी, धमकी या अनुचित प्रभाव के जरिए करवाया गया धर्मांतरण तो शामिल है ही, शिक्षा के जरिए ब्रेनवाशिंग से भी करवाए गए धर्मांतरण को अवैध ठहराया गया है.

साथ ही एक ही वक्त में दो या दो से अधिक व्यक्तियों का जबरन धर्मांतरण अवैध है. उपहार, नकदी,

रोजगार, धार्मिक संस्थानों में मुफ्त शिक्षा, शादी का वादा, बेहतर जीवनशैली और 'दैवीय उपचार' के बहाने धर्मांतरण को अवैध ठहराया गया है.

वहीं मनोवैज्ञानिक दबाव, शारीरिक बल, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धमकी, या दैवीय नाराजगी का डर दिखाकर या फिर सामाजिक बहिष्कार की धमकी देकर धर्मांतरण को अवैध ठहराया गया है.

अवैध धर्मांतरण की शादी को कोर्ट कर सकता है अवैध घोषित

अवैध धर्मांतरण के उद्देश्य से की गई किसी भी शादी को अदालत की ओर से स्त्व''ल्ल'५ूंघोषित करने का प्रावधान रखा गया है. कानून कहता है कि अवैध धर्मांतरण से पैदा हुआ बच्चा अपनी मां के उस धर्म का माना जाएगा, जो धर्म मां का शादी से पहले था. वहीं यह कानून कहता है कि बच्चा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 के तहत भरण-पोषण का हकदार होगा और कस्टडी मां के पास रहेगी.

वैध धर्मांतरण की प्रक्रिया का भी उल्लेख

इस कानून में वैध धर्मांतरण की भी प्रक्रिया का भी उल्लेख है. अगर कोई व्यक्ति खुद ही इच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा. उसे धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति या संस्था को जिला मजिस्ट्रेट को 60 दिन पहले सूचना देनी होगी. साथ ही अधिकारी इस सूचना को सार्वजनिक बोर्ड पर लगाएंगे और 30 दिनों के भीतर आपत्तियां आमंत्रित करेंगे.

ऐसे में आपत्ति मिलने पर पुलिस जांच की जाएगी. धर्मांतरण के 21 दिनों के अंदर जिला मजिस्ट्रेट को एक घोषणा पत्र सौंपना होगा. इसमें अगर घोषणा पत्र नहीं दिया तो धर्मांतरण अवैध माना जाएगा. साथ ही धर्मांतरण करवाने वाले की ये जिम्मेदारी होगी कि वो साबित कर पाए कि वो जो धर्मांतरण करवा रहा है, वो स्वेच्छा से हो रहा है. अगर कोई अवैध धर्मांतरण करने का दोषी पाया जाता है, तो कानून में उसकी सजा का भी निर्धारण किया गया है.

आखिर कानून क्या कहता है?

प्रस्तावित कानून कहता है कि पीड़ित व्यक्ति, माता-पिता, भाई-बहन, जिनसे खून का रिश्ता हो या फिर जिन रिश्तेदारों ने गोद लिया हो, वो शिकायत दर्ज करवा सकते हैं. इस प्रस्तावित कानून में पुलिस अधिकारी को भी ताकत दी गई है कि अगर उसे लगता है कि कानून का उल्लंघन हो रहा है, तो वो स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज कर सकता है.

इसमें सामान्य अवैध धर्मांतरण के मामले में प्रस्तावित कानून में 7 साल की जेल और 1 लाख रुपये का जुर्माना प्रस्तावित है. वहीं अगर धर्मांतरण नाबालिग, महिला, और रउ/रळ का हुआ है और अवैध है तो जुर्माना 5 लाख रुपये प्रस्तावित है. इसके अलावा सामूहिक धर्मांतरण पर 7 साल की जेल और 5 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा और दोबारा अपराध करने पर 10 साल की जेल और 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है.

दूसरे राज्यों से अलग है सीएम फडणवीस का यह बिल

अकबरपुर में भारतीय मछुआ महासंघ के जनपदीय प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित

भानमती उत्सव मैरेजलान अकबरपुर में भारतीय मछुआ महासंघ के जनपदीय प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री सांसद शंखलाल माझी जी ने समाज के महापुरुष निषादराज गुह व महर्षि कश्यप के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आए हुए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्रीमाझी ने कहा कि आज हमारा समाज आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक स्तर पर पिछड़ने का ऐतिहासिक कारण है, हमारे समाज का शानदार गौरवशाली व समृद्धशाली इतिहास रहा है। आदि कालीन सनातन काल से हमारे ही पूवजे सृष्टि रचियता महर्षि कश्यप महाराज रहे वहीं श्रुति परंपरा को तोड़ते हुए चार वेद छः शास्त्र अठारह पुराण एक सौ अठारह स्कंध लिपिवध्ध कर सामाजिक आचार विचार संस्कार का ज्ञान देने वाले द्वैपायन वेदव्यास जी महाराज हमारे ही पुरखे रहे इतना ही नहीं सिंधु घाटी की

महान सभ्यता कुछ और नहीं हमारा ही निषाद संस्कृति का ही देन है। हमारे पुरखे ही उसके संस्थापक व आर्किटेक्चर रहे। कालांतर में सदियों से ही हमारे वैभव संपन्नता को तमाम विदेशी आक्रमणकारियों से

लड़ने का हमारा पुराना इतिहास रहा है वीर एकलव्य जैसे धुरंधर हुए हैं तो राजा बलि,राजा नल राजा हिरण्य कश्यप व श्रृंग्वेरपुर के राजा निषादराज गुह्य महाराज रहे हैं। किन्तु यूरेशियाई आक्रमणकारियों द्वारा छलकपट के सहारे पीठपीछे वार कर हमारा साम्राज्य छीन कर हमारा इतिहास सदियों से दबाया,मिटाया गया। बड़ी चालाकी से हमारे समाज को सैकड़ों जाति/ उपजातियों में बांट, हमें तीतर-बीतर करने का षडयंत्र सदियों पूर्व से होता रहा है। अंततः अंग्रेजी ब्रितानिया हुकूमत का बगावत करते हुए वीर तिलका माझी जिसने गोरिल्ला युद्ध कर अंग्रेजों का छक्का छुड़ाया था,वहीं आगरा अवध प्रांत की लड़ाई में कानपुर के समाधान निषाद लोचन निषाद की अगुवाई में पांच सौ अंग्रेजी पलटन को गंगा पार करते समय डुबोकर मार डालने से कुपित अंग्रेजों ने (अठारहवीं सदी में) सत्तीचौरा में बरगद के पेड़ पर एक सौ सड़सठ मछुआरों को फांसी पर लटकाते हुए सम्पूर्ण मछुआरा समाज को क्रिमिनल कास्ट (अपराधी जाति) घोषित कर हमारा जल जंगल संपत्ति जब्त कर बेइंतहा जुल्म से आजिज समाज को जंगलों में छुपकर बनवासी,आदिवासी पहाड़ीवासी जीवन यापन को मजबूर होना पड़ा। इस प्रकार हम आर्थिक सामाजिक शैक्षिक स्तर पर पिछड़ गए हमारा शानदार इतिहास छिपाया दबाया गया है। देश आजादी के बाद जिस प्रकार वैदिक काल के हमारे महापुरुषों का कुछ लोग अपना पुरखा बताते हैं ठीक उसी प्रकार वर्तमान संविधान के रचयिता बाबा साहब भीमराव (महार) को अंबेडकर के नाम से सम्मान देने वालों ने अपना लिया है।संविधान रचयिता ने आर्थिक शैक्षिक सामाजिक पिछड़ों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आरक्षण का सुविधा दिया है। उत्तर प्रदेश में हमारी जातियों को 1950 की सूची में दर्ज किया गया किंतु हमारे पुकारु जातियों/ उपजातियों को 1930 की जनगणना के अनुसार परिभाषित न होने के कारण माझी,मुजाविर, केवट, मल्लाह, कहार, कश्यप, बिंद, वियार, धीवर, बाथम, तुरैहा, रायकवार गोड़िया, महरा, मेहरा आरक्षण के लाभ से वंचित हैं सपा सरकार में माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार में मौका मिला तो हमने निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के डबल एजी0 से लीगल ओपिनियन (कानूनी राय) लेकर उपरोक्त वंचित उपजातियों को 1930 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार मझवार,गौड़, तुरैहा,बेलदार व शिल्पकार को परिभाषित करते हुए आरक्षण के लाभ का सुविधा दिलाने का जारी शासनादेश तथाकथित अंबेडकर फाउंडेशन व अन्य द्वारा,योजित याचिका में हाईकोर्ट के स्थगन आदेश का अनुपालन बीजेपी की योगी सरकार मात्र 3 दिन में ही कराते हुए आदेश जारी करा दिया,किंतु 3 माह बाद स्थगन आदेश खारिज कर 22 दिसंबर 2016 के शासनादेश को हाईकोर्ट के अनुपालन आदिश दो साल 3 महीना तक ठंडे बस्ते में डाले रहे। कोर्ट द्वारा सरकार के खिलाफ कंटेम्पट नोटिस जारी होने पर आनन-फानन में मझुआरा समाज के साथ धोखा करते हुए जानबूझकर आर्टिकल 341-42 का वायलेशन करते हुए उपरोक्त वंचित जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने का नया शासनादेश वर्ष 2019 में जारी करते हुए अपने आदमी से कोर्ट में चैलेंज कराते हुए स्थगन आदेश अंततः खारिज कराने का षडयंत्र वर्तमान सरकार द्वारा कराया गया। मछुआरों को रोजी-रोटी से जोड़ने व कृषि की भांति सुविधा प्रदान करने हेतु मत्स्य पालन को कृषि का दर्जा दिलाए जाने विषयक वर्ष 2014में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शासनादेश जारी कर विशेष सुविधा दिलाने का विस्तृत अध्ययन कर मत्स्य विभाग द्वारा अलग से शासनादेश जारी करते हेतु अधिकृत अधिकार दिया गया था,किन्तु भाजपा सरकार आने के कारण पिछले 9-10 साल से उक्त शासनादेश को भाजपा सरकार में तथाकथित गाड फादर ऑफ फिसरमैन मत्स्य मंत्री के विभाग द्वारा कृषि समान सुविधा देने के बजाय वर्तमान राजस्व संहिता निमावली के प्रस्तर 57 व 58 के उपधाराओं के तहत संवैधानिक अनुच्छेद का लाभ दिलाने के बजाय विभागीय निदेशक द्वारा निर्देश जारी कर पट्टा न देकर नीलामी प्रथा से अधिकतम बोली करवा मछुआरा को आपसी संघर्ष व वैमनस्ता को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि पूर्व सरकार में 1995 में जारी शासनादेश को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कानूनी मान्यता देते हुए पट्टा प्रणाली से गरीब मछुआरों की सुविधा बहाल किया जा चुका है। आरक्षण हमारा संवैधानिक अधिकार है। मत्स्य पालन पट्टा सुविधा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संरक्षित है। बालू मोरंग का पट्टा (बिना सरकार के राजस्व घाटा) के संविधान की धाराओं द्वारा कल्याणकारी सरकार को देने का अधिकार है किन्तु केंद्र व प्रदेश की मछुआ विरोधी सरकार सुविधा देने के बजाय डबल इकोनॉमी बढ़ाने को प्राथमिकता देते हुए हम मछुआरों का शोषण कराया जा रहा है। इन तमाम बातों पर रोशनी डालते हुए अपने हक व अधिकार लेने के लिए समाज को उठने,जागने,संगठित हो संघर्ष करने का आ'ान किया। सम्मेलन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों की आम सहमति से जनपद अंबेडकर नगर इकाई के जिलाध्यक्ष, महासचिव,उपाध्यक्ष,कोषाध्यक्ष, जिला सचिव व जिले के 90 क्रियाशील सदस्यों का चयन किया गया। अनिल निषाद, उमाशंकर निषाद,कमल नारायण निषाद,कमलेश निषाद,कैलाश माझी,चंद्रभान निषाद,संजीव गौड़,राम उजागिर निषाद,अशोक निषाद आदि शामिल रहे। कार्यक्रम को केंद्रीय गवर्निंग काउंसिल के कोषाध्यक्ष अंकुर माझी व महेन्द्र निषाद एडवोकेट व रामसंवारे धुरिया,रामजगत निषाद,ओमप्रकाश निषाद, जिलाध्यक्ष अनिल निषाद आदि ने संबोधित किया तथा रामप्यारे निषाद ने कार्यक्रम की

एथर एनर्जी का सर्विस नेटवर्क एक साल में बढ़कर दोगुना हुआ, भारत में हुए 500 सेंटर

लखनऊ, 17 मार्च, 2026: भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड का सर्विस नेटवर्क भारत में 500 अधिकृत सेंटर्स तक पहुँच चुका है। साथ ही कंपनी का रिटेल फुटप्रिंट भी बढ़ता जा रहा है। एथर ने शुरू से ही उन सभी शहरों में सर्विस सपोर्ट देने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, जहाँ कंपनी अपने स्कूटर बेचती है। इससे विभिन्न शहरों में एथर राईडर्स को इलेक्ट्रिक स्कूटर के स्वामित्व का एक सुगम और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार करने के अलावा, एथर द्वारा लगातार सर्विस क्वालिटी, एफिशियेंसी और ग्राहक अनुभव बेहतर बनाने में निवेश किया जा रहा है। एथर के गोल्ड सर्विस सेंटर्स में आधुनिक कस्टमर लाउंज, एडवांस्ड सर्विस इक्विपमेंट और व्यवस्थित प्रक्रियाएं हैं, जो पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाती हैं। स्टैंडर्ड सर्विस के अलावा, एथर की एक्सप्रेस केयर सर्विस 60 मिनट में पीरियडिक मेंटेनेंस सर्विस प्रदान करती है। यह सर्विस 82 सेंटर्स पर उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को क्वालिटी से समझौता किए बिना रूटीन मेंटेनेंस बहुत तेजी और सुविधाजनक तरीके से प्राप्त होती है। वित्तवर्ष 2026 में एथर एनर्जी का सर्विस नेटवर्क बढ़कर लगभग दोगुना हो गया है। एथर ने अपने सर्विस फुटप्रिंट बढ़ाते हुए अपने

सर्विस सेंटर्स की संख्या को 277 से बढ़ाकर 500 तक पहुँचा दिया है। इन अभियानों से हर टचपॉइंट पर सर्विस एक्सपीरियंस बेहतर बनाने की एथर की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

एथर एनर्जी के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत सिंह फोकेला ने कहा, ह्यह्यपूरे देश में अपने रिटेल फुटप्रिंट और कस्टमर बेस बढ़ाते हुए 500 सर्विस सेंटर्स तक पहुँचना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है। हमने शुरू से ही सेल्स के साथ सर्विस कैपेसिटी बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है क्योंकि इलेक्ट्रिक स्कूटर के स्वामित्व के अनुभव में विश्वसनीय आफ्टर-सेल्स सपोर्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने बढ़ते कदमों के साथ एक मजबूत सर्विस नेटवर्क बनाना हमारे लिए बहुत जरूरी है। हम यह सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं कि राईडर्स को प्रशिक्षित तकनीशियन, पारदर्शी प्रक्रियाओं और स्थिर सर्विस क्वालिटी की सुविधा वहीं पर मिल सके, जहाँ वो रहते हैं।

एथर के सर्विस सेंटर्स का विस्तार एथर स्कूटर की जबरदस्त मांग के बीच किया गया है, जिनमें एथर 450 परफॉर्मेंस लाईन और रिज्टा फैमिली स्कूटर शामिल हैं। इससे नए ग्राहक सेगमेंट और बाजारों में कंपनी की पहुँच बढ़ी है। रिटेल के साथ-साथ अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार करके एथर का उद्देश्य टियर 1, टियर 2 और उभरते हुए शहरों में समय पर भरोसेमंद सर्विस सपोर्ट प्रदान करना है। यह वित्तवर्ष 2026 तक 700 एक्सपीरियंस सेंटर तक विस्तार करने की एथर की योजना का हिस्सा है।31 दिसंबर, 2025 तक एथर के पास देश में 600 एक्सपीरियंस सेंटर थे।

कंपनी अपने सर्विस नेटवर्क के विस्तार के साथ भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर के परिवेश को लगातार मजबूत भी कर रही है। देश के सबसे बड़े टू-व्हीलर फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क, एथर ग्रिड के अंतर्गत विश्व में 4,357 से अधिक फास्ट चार्जिंग पॉइंट और नेबरहुड पॉइंट (31 दिसंबर, 2025 तक) हैं, ताकि राइडर्स को सुविधाजनक चार्जिंग एवं विस्तृत सपोर्ट मिल सके।

एचडीएफसी बैंक ने 'स्माइल फाउंडेशन' के साथ मिलकर बरेली में 'परिवर्तन स्किलिंग सेंटर' शुरू किया

बरेली,: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने 'स्माइल फाउंडेशन' के सहयोग से अपने सीएसआर कार्यक्रम 'परिवर्तन' के तहत उत्तर प्रदेश के बरेली में अपने 'परिवर्तन स्किलिंग सेंटर' को शुरू करने की घोषणा की है।यह स्किलिंग सेंटर 36 महीनों की अवधि में वंचित समुदायों के 850 युवाओं को ट्रेनिंग देगा, जिसमें बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) और रिटेल सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस पहल को स्माइल फाउंडेशन के 'स्किलिंग ऑन व्हील्स' और रोजगार क्षमता' कार्यक्रम के तहत लागू किया जाएगा। इस कार्यक्रम को आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों के युवाओं के लिए ट्रेनिंग से लेकर स्थायी रोजगार तक पहुँचने के व्यवस्थित

रास्ते बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।उत्तर प्रदेश भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्यों में से एक है, जहाँ 18 से 30 साल के ग्रेजुएट और स्कूल छोड़ने वाले युवाओं का एक बड़ा हिस्सा कौशल-आधारित रोजगार की तलाश में है।यह केंद्र प्रशिक्षण को उद्योग की जरूरतों के हिसाब से ढालकर, आकांक्षा और अवसर के बीच के अंतर को दूर करता है। यह युवाओं को औपचारिक क्षेत्र की भूमिकाओं के लिए तैयार करता है, जिससे उन्हें बड़े शहरों (मेट्रो सिटी) में पलायन करने की जरूरत कम हो जाती है।एक व्यवस्थित, बहु-वर्षीय सुविधा के रूप में परिकल्पित, इस केंद्र का प्रबंधन शुरू से अंत तक 'स्माइल फाउंडेशन' द्वारा किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण देना, संचालन और नौकरी मिलने के

बाथम वैश्य सभा लखनऊ का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन

लखनऊ- बाथम वैश्य सभा लखनऊ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह माधव सभागार, लखनऊ में उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्यों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने परिवार सहित भाग लिया और एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरे सभागार में रंग, उमंग और आपसी सौहार्द का माहौल देखने को मिला। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरसरन लाल गुप्ता (चेयरमैन राजधानी नगर सहकारी बैंक) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है।इस अवसर पर सभा के संरक्षक रामचंद्र गुप्ता और अरुण कुमार ने कहा कि समाज की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी है। वहीं सभा के अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि होली मिलन जैसे कार्यक्रम समाज के लोगों को एक

मंच पर लाकर आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मनीष गुप्ता, सुभाष गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विकास, संजय, राजेंद्र गुप्ता, पीयूष गुप्ता, अजय गुप्ता, सुधीर, अनूप, मनोज , नवरतन लाल गुप्ता और प्रशांत गुप्ता ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। महिला सभा की अध्यक्ष रानी गुप्ता, पिंकी गुप्ता,लता, प्रीति और शिवा ने बताया कि समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष प्रस्तुति हुई इसमें गायन, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों ने सभी का दिल जीत लिया और उन्हें पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। समारोह के दौरान समाज के वरिष्ठजनों और विशेष सहयोगकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही फूलों की होली खेलकर सभी ने इस पर्व का आनंद लिया, जिससे पूरा वातावरण रंगों और खुशियों से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने सभी अतिथियों और समाज के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, सहयोग और एकता की भावना को और अधिक मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं और भविष्य में भी इसी तरह समाज को जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

आर्किटेक्ट्स के लिए स्पेशलाइज्ड कार्यक्रम की घोषणा

लखनऊ,17 मार्च 2026: जैसे-जैसे शहरों का विस्तार हो रहा है और पर्यावरणीय चुनौतियाँ अधिक गंभीर होती जा रही हैं, आज के आर्किटेक्ट्स को केवल इमारतों के डिजाइन से आगे की क्षमताओं की आवश्यकता है। उन्हें सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, परिदृश्य प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील प्रतिक्रिया देने की समझ भी विकसित करनी होगी। इन चुनौतियों के लिए छात्रों को तैयार करने हेतु, सीईपीटी यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर में दो विशेषीकृत स्नातकोत्तर कार्यक्रम शामिल हैं — मास्टर्स इन कंजर्वेशन एंड रीजेनेरेशन (MCR) और मास्टर्स इन लैंडस्केप आर्किटेक्चर (MLA) — जो आर्किटेक्ट्स के लिए करियर के दायरे को विस्तृत करते हैं।

ये दोनों कार्यक्रम के आवेदन की अंतिम तिथि: 31 मार्च, 2026 है।

यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जिन्हें इतिहास, तकनीक, वास्तुकला और शहरी डिजाइन के संगम में रुचि है। यह उन्हें

संरक्षण के बढ़ते क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार करता है। इसका पाठ्यक्रम उद्योग और सरकार द्वारा ऐतिहासिक परिवेशों के संरक्षण और उन्नयन में किए जा रहे बढ़ते निवेशों के साथ जुड़ा हुआ है।

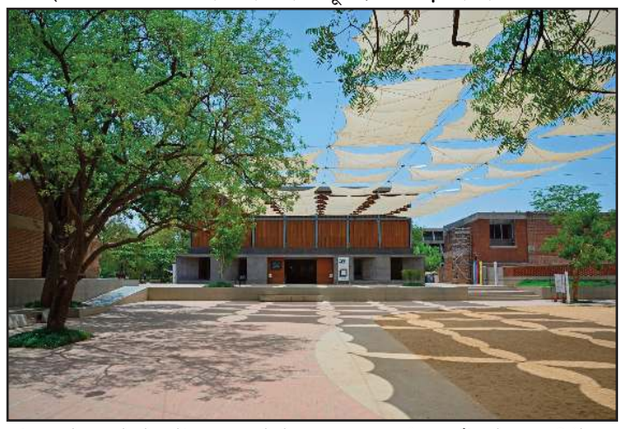

ऐतिहासिक इलाकों के संरक्षण और पुनर्स्थापन में अधिक निवेश कर रहे हैं, वैसे संरक्षण और पुनर्जीवन की समझ रखने वाले पेशेवरों की मांग भी पूरे देश में बढ़ रही है।

मास्टर्स इन लैंडस्केप आर्किटेक्चर (टछअ): यह एम.आर्क कार्यक्रम लैंडस्केप, पारिस्थितिकी और समाज के संगम पर काम करने वाले पेशेवरों को तैयार करता है।

उएढळ में पोस्टग्रेजुएट शिक्षा केवल स्नातक कार्यक्रम का विस्तार नहीं है। यह सोच-समझकर की जाने वाली विशेषज्ञता का एक मंच है। यहाँ स्टूडियो प्रयोगशालाओं की तरह कार्य करते हैं—ऐसी जगहें जहाँ वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर रचनात्मक अन्वेषण किया जाता है। छोटे ग्रुप में छात्र विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ मिलकर विचार विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं और निरंतर संवाद व आलोचनात्मक समीक्षा के माध्यम से अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करते हैं। सेमेस्टर, तथा समर और विंटर स्कूल्स में फैला पाठ्यक्रम निर्मित पर्यावरण के क्षेत्र में व्यापक अन्वेषण के अवसर प्रदान करता है। छात्रों को वर्कशॉप, सॉफ्टवेयर, लाइब्रेरी, आर्काइव्स, मटेरियल लैब्स तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवरों के विस्तृत नेटवर्क जैसे संसाधनों तक पहुँच प्राप्त होती है।

कार्यक्रमों के लिए आवेदन वर्तमान में खुले हैं, प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.cept.ac.in पर जाएँ

कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को सीएम योगी ने प्रदान की ₹1-1 लाख की सहायता राशि

तीर्थ यात्राओं से मजबूत हो रहा ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्व का संकल्प: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने कहा, तीर्थ यात्राएं सिर्फ आस्था नहीं, समाज व राष्ट्र को जोड़ने का माध्यम, तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं का किया जा रहा विस्तार

काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर बढ़ती भीड़ चुनौती भी और अवसर भी: सीएम योगी

धार्मिक पर्यटन से विकास और रोजगार को बढ़ावा, महाकुंभ बना आस्था के साथ आर्थिक मजबूती का बड़ा उदाहरण: मुख्यमंत्री

महाकुंभ में श्रद्धालुओं ने अफवाहों को नकारा, आस्था को रखा सर्वोपरि: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

लखनऊ। 17 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को ₹1-1 लाख की सहायता राशि वितरित करते हुए आस्था, संस्कृति और विकास के समन्वय का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने

कहा कि प्रयागराज महाकुंभ जैसे आयोजनों में उमड़ी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था न केवल भारत की सांस्कृतिक शक्ति को दशार्ती है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति देती है। इसी दृष्टि के साथ सरकार तीर्थ यात्राओं को सुविधाजनक, सुरक्षित और व्यापक बनाकर ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्व के संकल्प को मजबूत कर रही है। तीर्थ यात्रा आस्था के साथ एकता व संस्कारों की परंपरा कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिनाइयों, चुनौतियों और विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच इस यात्रा को पूर्ण करना एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव है। भारतीय सनातन परंपरा में तीर्थ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम रही है। पूर्वकाल में लोग अपने परिश्रम से अर्जित संसाधनों का उपयोग यात्रा व सेवा में करते थे, जिससे उन्हें पुण्य के साथ-साथ समाज को समझने की नई दृष्टि मिलती थी। भारत के धर्मस्थलों की स्थापना के पीछे भी यही भावना रही है। आदि शंकराचार्य द्वारा चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना इस सांस्कृतिक एकता का प्रमाण है, जब अलग-अलग शासन व्यवस्थाओं के बावजूद भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में स्थापित था। आज भी यह परंपरा जीवित है और आवश्यक है कि धार्मिक यात्राओं में श्रद्धा को सर्वोपरि रखते हुए उनकी पवित्रता व गरिमा को बनाए रखा जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां इन मूल्यों से प्रेरित होती रहें। बढ़ती आस्था के बीच तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2017-18 में गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण कराया गया, जो यात्रा का पहला पड़ाव है और जहां विदेश मंत्रालय की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होती हैं। बदलते समय के साथ तीर्थ यात्राओं का स्वरूप भी बदला है। अब श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2025 में प्रदेश में करीब 164 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जिनमें 66 करोड़ केवल प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे। काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या एक ओर चुनौती है तो दूसरी ओर अवसर भी। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार आवागमन, ठहरने और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लगातार

रहस्यमय ढंग से लापता हुआ 45 वर्षीय व्यक्ति, परिवार में मचा कोहराम

(जीएनएस)।

बरखेड़ा (पीलीभीत)। थाना बरखेड़ा क्षेत्र के गांव मसीत से एक 45 वर्षीय व्यक्ति के अचानक लापता हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया है। परिवार के लोग पिछले पांच दिनों से उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अरविंद कुमार शुक्रवार को सुबह लगभग 10 से 11 बजे के बीच खेत से घर लौटे थे। घर पर खाना खाने के बाद उन्होंने परिजनों से कहा कि वह किसी काम से बाहर जा रहे हैं और थोड़ी देर में वापस आ जाएंगे। लेकिन शाम तक उनके वापस न लौटने पर परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई।

परिजनों ने पहले आसपास के गांवों में उनकी तलाश की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद रिश्तेदारों से भी संपर्क किया गया, मगर वहां से भी कोई जानकारी नहीं मिल सकी। थक-हारकर परिजनों ने थाना बरखेड़ा पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर मदद की गुहार लगाई।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खोजबीन शुरू कर दी है, लेकिन घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी अरविंद कुमार का कोई सुराग नहीं मिला है। इधर, घर में पत्नी हीरा कली और बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है।

परिवार ने प्रशासन से जल्द से जल्द अरविंद कुमार को खोज निकालने की मांग की है, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

42 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा पर अनूप गुप्ता को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी ने किया सम्मानित

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। मोहल्ला बाजार कटरा निवासी वरिष्ठ बीमा सलाहकार अनूप गुप्ता को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य और लंबी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में कंपनी के महाप्रबंधक ने उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

अनूप गुप्ता पिछले 42 वर्षों से एक ही बीमा कंपनी में लगातार सेवाएं दे रहे हैं, जो उनके समर्पण और कार्यनिष्ठा का प्रतीक है। उनकी मेहनत और लगन के चलते उन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ।

बताया गया कि वर्ष 2018 में अनूप गुप्ता ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी में पूरे भारत स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया था, जिससे उन्होंने अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया।

उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है और सभी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

गैस संकट और महंगाई को लेकर आप मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे का भाजपा सरकार की नीतियों पर हमला

प्रदेश भर में रसोई गैस की भारी किल्लत, हकीकत से पल्ला झाड़ रही योगी सरकार: वंशराज दुबे

मोदी सरकार की विदेश नीति और गलत फैसलों ने देश को गैस और तेल के संकट में धकेला

ईरान से संबंध खराब कर अमेरिका-इजरायल के दबाव में लिए फैसलों का खामियाजा देश की जनता भुगत रही है।

उत्तर प्रदेश में गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, कागजों में डिलीवरी और जमीन पर संकट वंशराज

गैस की कालाबाजारी 7 से 10 हजार तक पहुंची, मजदूरों की रोजी-रोटी और रसोई दोनों पर संकट

***जनता के हक की आवाज उठाने पर आप नेताओं पर मुकदमे और हाउस अरेस्ट करना लोकतंत्र का दमन**

(जीएनएस)।

लखनऊ। 17 मार्च 2026 आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने लखनऊ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में देश और प्रदेश में पैदा हुए गैस संकट, बढ़ती महंगाई और भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश गैस की किल्लत से जूझ रहा है और भाजपा की केंद्र तथा उत्तर प्रदेश की सरकारें जमीनी सच्चाई से पूरी तरह वाकिफ होने के बावजूद जनता को गुमराह करने का काम कर रही हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कुकर्मों को छिपाने के लिए देश की साख को अमेरिका के सामने गिरवी रख दिया है जिसके कारण देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नुकसान उठाना पड़ रहा है और उसका सीधा असर आज भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की रसोई पर पड़ रहा है वंशराज दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल दौरे के ठीक दो दिन बाद

इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। आज देश के कई मंत्री और भाजपा के नेता यह कह रहे हैं कि देश और उत्तर प्रदेश में गैस तथा तेल का संकट पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और इजरायल-ईरान के युद्ध की वजह से आया है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह संकट मोदी सरकार की गलत विदेश नीति और उसके फैसलों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि भारत में इस्तेमाल होने वाले लगभग 60 प्रतिशत कच्चे तेल और करीब 50 प्रतिशत गैस की आपूर्ति हार्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग से होती है, जो ईरान के प्रभाव वाले क्षेत्र में आता है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पारंपरिक मित्र देश ईरान के खिलाफ जाकर अमेरिका और इजरायल का साथ दिया और पूरे देश को एक बड़े संकट में डाल दिया। वंशराज दुबे ने कहा कि वर्ष 2019 तक जब भारत ने अमेरिका के दबाव में आकर ईरान से तेल खरीदना बंद नहीं किया था, तब तक भारत को ईरान से मिलने वाले तेल की ट्रांसपोर्टेशन लागत लगभग शून्य थी। इसके अलावा ईरान भारत से रुपये में व्यापार करता था और अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में भारत को करीब 12 प्रतिशत तक की छूट भी मिलती थी। उस समय ईरान का लगभग 50 से 60 हजार करोड़ रुपये भारतीय बैंकों में जमा था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान से संबंध खराब कर लिए और अब हालात यह हैं कि भारत के कई बड़े फैसले वॉशिंगटन डीसी से तय होते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी लगातार बयान दे रहे हैं कि देश में तेल और गैस की कोई कमी नहीं है, वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं कि प्रदेश में डीजल-पेट्रोल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और जनता अफवाहों से बचे, जबकि जमीन पर स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। वंशराज दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं, लेकिन सरकारी कागजों में डिलीवरी सामान्य दिखाई जा रही है। प्रदेश के कई शहरों और कस्बों में लोग रात से ही गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हो रहे हैं, फिर भी अगले दिन तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि यह हालात केवल रसोई तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मजदूरों की रोजी-रोटी पर भी इसका गंभीर असर पड़ रहा है। गैस की कमी के कारण फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं, छोटे उद्योग ठप पड़ रहे हैं और रेस्टोरेंट तथा ढाबे तक बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। दुबे ने कहा कि स्थिति इतनी भयावह है कि गैस की लाइन में लगे एक बुजुर्ग की मौत तक हो गई और नोएडा में एक मां रोते हुए यह सवाल कर रही है कि वह अपने बच्चों को खाना कैसे खिलाए। उन्होंने कहा कि गांवों में गैस सिलेंडर को लेकर त्राहि-त्राहि मची हुई है और शहरों में किराए के छोटे-छोटे कमरों में रहने वाले मजदूरों की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। गैस की कालाबाजारी अपने चरम पर है। जो सिलेंडर 900 से 1000 रुपये में मिलता था, वही सिलेंडर आज 7 से 10 हजार रुपये तक में बेचा जा रहा है। पूरे देश में लूट मची हुई है और भाजपा की सरकारें दिल्ली से लेकर लखनऊ तक जनता को गुमराह करने में लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि जब गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ते हैं तो उससे जुड़ी तमाम जरूरी चीजों के दाम भी बढ़ जाते हैं लेकिन सरकार इस पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है। दुबे ने कहा कि हालात यह हैं कि कोयला लगभग 70 प्रतिशत तक महंगा हो गया है और लकड़ी की कीमतें चार गुना तक बढ़ गई हैं। यानी गरीब मजदूर के लिए अब गैस पर खाना बनाना तो दूर, कोयले या लकड़ी से एक समय का भोजन बनाना भी बेहद मुश्किल हो गया है। अनाजों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं और सरसों के तेल तथा रिफाइंड की कीमतों में भी लगभग 10 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसके बावजूद सरकार इस पूरे संकट पर कोई ठोस कदम उठाने के बजाय केवल बयानबाजी कर रही है वंशराज दुबे ने कहा कि दुर्भाग्य की बात यह है कि जब आम आदमी पार्टी या विपक्ष का कोई भी दल इस मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछता है और जनता की आवाज उठाता है तो सरकार दमन का रास्ता अपनाती है। उन्होंने बताया कि उन्नाव में गैस की किल्लत के खिलाफ जनता की आवाज उठाने पर आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष कुलदीप यादव, प्रभारी तुषार श्रीवास्तव समेत छह लोगों के नाम और 35 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई है। मेरठ में पार्टी के जिला अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट कर लिया गया और लखनऊ में भी आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट किया गया। वंशराज दुबे ने चेतावनी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मुकदमा-मुकदमा खेलने की राजनीति बंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी भले ही उत्तर प्रदेश विधानसभा के भीतर मौजूद न हो, लेकिन एक राष्ट्रीय पार्टी और मजबूत विपक्ष के रूप में जनता के हक की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की धमकियों से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं और जिन साथियों पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं उनके हौसले को पूरी पार्टी सलाम करती है। दुबे ने कहा कि आम आदमी पार्टी आने वाले समय में भी जनता के हक और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेगी और सरकार को जवाबदेह बनाने का

डिग्री कॉलेज में शुरू हुआ दो दिवसीय वार्षिक क्रीडा समारोह

(पीलीभीत)-बीसलपुर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 49वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम प्रातः 10:00 मुख्य अतिथि प्रो0 (डॉ०) आर० पी ०एस० यादव व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ०) अलका मेहरा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। शालू और संजना ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्राचार्या डॉ0 अलका मेहरा ने मुख्य अतिथि को बुके देकर व बैज लगाकर स्वागत किया। क्रीड़ा प्रभारी डॉ0 पवन त्रिवेदी ने दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्रीड़ा में जीतना जितना महत्वपूर्ण है उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में भाग लेना है। क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में हमेशा स्वस्थ मानसिकता के साथ हमें प्रतिभाग करना चाहिए। सफलता और असफलता का इसमें कोई भी महत्व नहीं होता है। खेलकूद में भाग लेने वाले प्रतिभागी का स्थान महत्वपूर्ण होता है। धन्यवादडॉ0 विकास प्रधान ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 (डॉ०) दरख्शा ने किया। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ0 सुनील कुमार, डॉ0 विकास प्रधान, डॉ0 चन्द्रप्रभा गंगवार, डॉ0 महेश बाबू, डॉ0 सुनीत कुमार साहनी, डॉ0 रोहित पटेल, डॉ0 महेंद्र पाल, डॉ0 रजत गंगवार, डॉ0 जगदम्बा व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में कार्यालय अधीक्षक दिनेश कुमार, राम कुमार , वी०के० सिंह , जाकिर अली, चुन्नीलाल, राजेंद्र, दिलशाद, राजकुमार, गौतम, आकाश, मुंशी का विशेष सहयोग रहा। क्रीड़ा समारोह के प्रथम दिवस 100 मीटर दौड़ छात्र-छात्रा , 400 मीटर दौड़ छात्र/छात्रा, ऊंची कूद छात्र /छात्रा, गोला फेंक छात्र/छात्रा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सुल्तानपुर गांव में गौकशी की सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके का माहौल गरमा

(जीएनएस)।

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में गौकशी की सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके का माहौल गरमा दिया है। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में कई टीमें लगा दी गई हैं। बढ़ते आक्रोश को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

बताते चले कि गोंडा बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम सुल्तानपुर निवासी राकेश कुमार यादव पुत्र राम दुलारे यादव ने सोमवार की शाम को अपनी दो कीमती गायों को चारा-पानी देने के बाद घर के सामने खूंटे से बांध कर सो गया रात के अंधेरे में अज्ञात चोरों ने दोनों गायों को खोलकर ले जाकर घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर वध कर मांस उठा ले गये मंगलवार की सुबह करीब 4 बजे जब परिजन जागे तो गायें गायब थीं। आनन-फानन में ग्रामीणों के साथ तलाश शुरू की गई। कुछ दूरी पर रोशन चक मोड़ के पास पहुंचने पर जो मंजर सामने आया, उसने सभी को झकझोर कर रख दिया—दोनों गायों के कटे हुए अवशेष अलग-अलग हिस्सों में पड़े मिले। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते सैकड़ों लोग मौके पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही मसौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने के लिए अतिरिक्त फोर्स बुला ली गई। पुलिस ने अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

तहरीर में पीड़ित ने आरोप लगाया

है कि अज्ञात लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से उनकी गायों की चोरी कर उनकी हत्या की है। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है।

वहीं, घटना के बाद हिंदू संगठनों में भी भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। हिन्दू जागरण मंच के मनीष श्रीवास्तव ने घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए कहा कि 'योगी सरकार में इस तरह की हरकतें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी' और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

हिन्दू सुरक्षा सेवा ट्रस्ट के बाराबंकी जिलाध्यक्ष मोहित हिन्दू और मीडिया प्रभारी विशाल गुप्ता ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'सबसे पहले आरोपियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए, अन्यथा हम लोग धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।' उन्होंने आरोपियों के लिए कठोर सजा, यहां तक कि फांसी की मांग की है। ट्रस्ट ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि 'आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं, लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।'

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला बेहद गंभीर है और हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। संदिग्धों को चिन्हित कर दबिश दी जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने मौके का जायजा लिया और जल्द गौहत्यारो तक पहुंचने का आश्वासन दिया।

फिलहाल सुल्तानपुर गांव में हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में हैं। पुलिस की कड़ी निगरानी के बीच प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला अदालत की अनुमति के बिना पुलिस नहीं कर सकती आगे की जांच

(जीएनएस)।

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि पुलिस किसी भी मामले में अपनी मर्जी से आगे की जांच शुरू नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 173(8) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएन एसएस) की धारा 193(9) के तहत यदि पुलिस को चार्जशीट दाखिल करने के बाद आगे की जांच करनी हो, तो इसके लिए संबंधित अदालत से पूर्व अनुमति

लेना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों को पहले अदालत के सामने यह स्पष्ट करना होगा कि मामले में आगे की जांच क्यों आवश्यक है और कौन से नए तथ्य या साक्ष्य सामने आए हैं। अदालत इस आधार पर तय करेगी कि आगे की जांच की अनुमति दी जाए या नहीं। अदालत का मानना है कि बिना न्यायिक अनुमति के आगे की जांच शुरू करने से न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और अभियुक्तों के अधिकारों पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए जांच की प्रक्रिया पर न्यायालय की निगरानी आवश्यक है।